उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन नाटो

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) 30 सदस्य राज्यों - 28 यूरोपीय राज्यों, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के बीच एक अंतर-सरकारी सैन्य गठबंधन है, फिनलैंड और स्वीडन ने नाटो में शामिल होने के लिए एक संयुक्त आवेदन प्रस्तुत किया है जिसके कारण एक बार फिर से नाटो सुर्खियों का विषय बना हुआ है।

लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में अन्तराष्ट्रीय रिलेशन से कई प्रश्न पूछे जाते हैं। यहां, हम आपको सबसे महत्वपूर्ण विषय नाटो पर एक महत्वपूर्ण लेख प्रदान कर रहे हैं, जिससे आगामी उत्तर प्रदेश राज्य परीक्षा जैसे UPPSC, UPPSC RO ARO आदि परीक्षाओं में प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन नाटो क्या है?

- उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को 12 संस्थापक सदस्यों द्वारा अमेरिका के वाशिंगटन में एक अंतर- सरकारी सैन्य संगठन के रूप में की गयी थी।
- नाटो यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों के मध्य एक सैन्य गठबंधन है जिसका मुख्यालय बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में स्थित है।
- वर्तमान में नाटो में सदस्य देशों की संख्या 30 है।
- नाटो सामूहिक रक्षा के सिद्धांत पर काम करता है, जिसका तात्पर्य यह है की यदि नाटो के 'एक या अधिक सदस्यों पर आक्रमण किया जाता है तो यह आक्रमण सभी सदस्य देशों पर आक्रमण माना जाता है जिसका उल्लेख नाटो के अनुच्छेद 5 में किया गया है।
- नाटो की सहिंता में वर्णित अनुच्छेद को पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका पर हुए आतंकवादी हमले के बाद 11 सितंबर, 2001 में लागू किया गया था।
- नाटो में प्रावधान किया गया है की नाटो से सम्भंदित कोई भी निर्णय सभी 30 सदस्यों के सामूहिक इच्छा के आधार पर ही लिया जा सकता है।
- नाटो के सदस्य देशों का कुल सैन्य खर्च विश्व के कुल सैन्य खर्च का 70% से भी अधिक है, जिसमें अमेरिका, अन्य यूरोपीय देशों की तुलना में सबसे अधिक खर्च करता है।

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन नाटो का उद्देश्य:

- नाटो की स्थापना के समय प्रमुख उद्देश्य पश्चिम यूरोप में सोवियत संघ की साम्यवादी विचारधारा को रोकना था।
- राजनीतिक और सैन्य तरीकों से अपने सदस्य राष्ट्रों की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी प्रदान करना नाटो का प्राथमिक उद्देश्य है।

- नाटो वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिये नवाचार एवं अनुकूलन के साथ-साथ उपकरणों के निर्माण को प्रोत्साहित करता है।
- सदस्य देशों के बीच एकजुटता और सामंजस्य की भावना पैदा करना नाटो का प्रमुख लक्ष्य है।
- यूरोप में व्यक्तिगत स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानव अधिकारों एवं कानून के शासन के समान मूल्यों के आधार पर स्थायी शांति सुनिश्चित करना नाटो के उद्देश्यों में शामिल एक उद्देश्य है।
- नाटो अपने सदस्य देशों के क्षेत्र की रक्षा और जब संभव हो तो संकट को कम करने के लिये सदैव प्रयासरत रहता है।
- किसी भी सदस्य देश को राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में निर्धारित प्राथमिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिये मजबूर ना करना नाटो का अन्य एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।
- नाटो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न होने वाले नए खतरों से निपटने हेतु न केवल सामूहिक रक्षा प्रदान करना बल्कि संकट की स्थितियों का प्रबंधन करने के साथ-साथ सहकारी सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है।
- नाटो का प्राथमिक उद्देश्य आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार न करना है।

नाटो को प्रतिनिधिमंडल:

- नाटो के प्रत्येक सदस्य देश का ब्रुसेल्स में एक स्थायी प्रतिनिधि मंडल है। जिसकी अध्यक्षता एक "राजदूत" द्वारा की जाती है।

नाटो (NATO) के सदस्यों देशो की सूची

1. 1.अल्बानिया
2. बेल्जियम
3. बुल्गारिया
4. कनाडा
5. क्रोएशिया
6. चेक प्रतिनिधि
7. डेनमार्क
8. एस्तोनिया
9. फ्रांस
10. जर्मनी
11. यूनान

12.हंगरी
13.आइसलैंड
14.इटली
15.लातविया
16.लिथुआनिया
17.लक्समबर्ग
18.मोंटेनेग्रो
19.नीदरलैंड
20.उत्तर मैसेडोनिया
21.नॉर्वे
22.पोलैंड
23.पुर्तगाल
24.रोमानिया
25.स्लोवाकिया
26.स्लोवेनिया
27.स्पेन
28.तुर्की
29.यूनाइटेड किंगडम
30.संयुक्त राज्य अमेरिका